हिन्दी साहित्य परिषद्
संत ज़ेवियर कॉलेज, रांची

"विज्ञापन का वर्तमान परिदृश्य और हम"

दिनांक : 20 दिसम्बर 2023

संत ज़ेवियर कॉलेज, राँची के हिन्दी विभाग द्वारा एक विचार-सत्र का आयोजन किया गया। विषय था- "विज्ञापन का वर्तमान परिदृश्य और हम"। यह आयोजन हिन्दी साहित्य परिषद् के तत्त्वावधान में किया गया। स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों की इसमें सक्रिय सहभागिता रही।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे- डॉ. जंग बहादुर पांडेय, पूर्व अध्यक्ष हिन्दी विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची।

कॉलेज के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश पांडेय ने स्वागत वक्तव्य दिया और मुख्य अतिथि को पुष्प, अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर कोमल खलखो ने किया।

मुख्य अतिथि ने विज्ञापन पर संक्षिप्त एवं सारगर्भित व्याख्यान दिया और विज्ञापन की भूमिका, उपयोगिता, सार्थकता एवं महत्ता का रेखांकन किया। इसके साथ ही उन्होंने भ्रामक विज्ञापनों से बचने की सलाह दी।

इस आयोजन में डॉ. मेल्टिना टप्पो एवं डॉ. संजय कुमार की सक्रिय सहभागिता थी। कार्यक्रम में B.Ed के प्रोफेसर जगबंधु महतो, प्राध्यापक अशोक कुमार प्रमाणिक भी उपस्थित थे। इस विचार- सत्र में शुभम, नेहा, अंकित, दीप्ति, रोहित, जोया, जन्नत, भारती आदि विद्यार्थियों ने विषय पर विचारों की अभिव्यक्ति की। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार भाटिया के द्वारा किया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संत ज़ेवियर कॉलेज, राँची
हिंदी साहित्य परिषद
GPS Map Camera
Google
Ranchi, Jharkhand, India
Pathalkudwa, Nayatoli, Ranchi, Jharkhand 834001, India
Lat 23.367464°
Long 85.32528°
20/12/23 01:15 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Google
Ranchi, Jharkhand, India
Pathalkudwa, Nayatoli, Ranchi, Jharkhand 834001, India
Lat 23.367593°
Long 85.325426°
20/12/23 01:19 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Ranchi, Jharkhand, India
St. Xaviers College Main Building, Purulia Rd, Pathalkudwa, Nayatoli, Ranchi, Jharkhand 834001, India
Lat 23.367563°
Long 85.325496°
20/12/23 01:17 PM GMT +05:30
Google

विज्ञापन उत्पादन की विक्री का सर्वोत्तम माध्यम है : डा जे बी पाण्डेय

आजाद पत्र

रांची। आज संत जेवियर कॉलेज, राँची के हिन्दी विभाग द्वारा एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विषय था- " विज्ञापन का वर्तमान परिदृश्य और हम"। यह आयोजन हिन्दी साहित्य परिषद् के तत्त्वावधान में किया गया। स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों की इसमें सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे- डॉ. जंग बहादुर पांडेय, पूर्व अध्यक्ष हिन्दी विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची। कॉलेज के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश पांडेय ने स्वागत वक्तव्य दिया और मुख्य अतिथि को पुष्प,अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने विज्ञापन पर संक्षिप्त एवं

सारगर्भित व्याख्यान दिया और विज्ञापन की भूमिका, उपयोगिता, सार्थकता एवं महत्ता का रेखांकन किया। उन्होंने कहा कि विज्ञापन आज के युग में उत्पादित वस्तुओं को बेचने का सर्वोत्तम माध्यम है। विज्ञापन की भाषा चुस्त और दुरुस्त होनी चाहिए।एक प्रकार से विज्ञापन गागर में सागर की तरह हैं।जैसे अलंकार ज्वेलर्स का यह विज्ञापन द्रष्टव्य है-'हम गहने ही नहीं रिश्ते भी बनाते हैं'। इस एक वाक्य के विज्ञापन में बहुत बड़ी व्यंजना की गई है। इसके साथ ही उन्होंने भ्रामक विज्ञापनों से बचने की सलाह भी दी।

इस आयोजन में डॉ. मेल्टिना टप्पो एवं डॉ. संजय कुमार की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में बीएड के प्रो जगबंधु महतो, हिंदी प्राध्यापक अशोक कुमार प्रमाणिक भी उपस्थित रहे।इस विचार- गोष्ठी में शुभम, नेहा, अंकित, दीप्ति, रोहित, जोया, जन्नत, भारती आदि विद्यार्थियों ने विषय पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति की। आगत अतिथियों का भव्य स्वागत अध्यक्ष डा जय प्रकाश पाण्डेय ने कुशल संचालन प्रो कोमल खलखो ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार भाटिया ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विज्ञापन उत्पादों की बिक्री का सर्वोत्तम माध्यम : डॉ. पांडेय

रांची । संत ज़ेवियर्स कॉलेज, रांची के हिन्दी साहित्य परिषद के तत्वावधान में बुधवार को एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. विषय था- " विज्ञापन का वर्तमान परिदृश्य और हम". गोष्ठी में स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही. गोष्ठी के मुख्य अतिथि थे रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी

विभागाध्यक्ष डॉ. जंग बहादुर पांडेय. कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश पांडेय ने स्वागत वक्तव्य दिया और मुख्य अतिथि को पुष्प,अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया. मुख्य अतिथि ने विज्ञापन पर संक्षिप्त एवं सारगर्भित व्याख्यान दिया और विज्ञापन की भूमिका, उपयोगिता, सार्थकता एवं महत्ता का रेखांकन किया. उन्होंने कहा कि विज्ञापन आज के युग में उत्पादित वस्तुओं को बेचने का सर्वोत्तम माध्यम है.

21.12.23 [illegible] राँची